प्रति,

प्राचार्य

बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
धमतरी

विषय :- शिक्षक अभिभावक योजना सत्र 2018-19 के पालन प्रतिवेदन विषयक।

महोदय,

विषयान्तर्गत लेख है कि महाविद्यालय के शिक्षक अभिभावक योजना के अंतर्गत 2018-19 में बी.ए. भाग एक प्रवेश क्रमांक 201 से 271 तक विद्यार्थियों का अभिभावक मुझे बनाया गया था जिसका पालन प्रतिवेदन निम्नानुसार आपकी ओर प्रेषित है।

1. शिक्षक अभिभावक योजना के अंतर्गत सत्र 2018-19 में मुझे 71 विद्यार्थियों का अभिभावक बनाया गया था जिसमें 90% विद्यार्थियों का हमेशा संपर्क बना रहा।

2. पढ़ाई के साथ साथ विद्यार्थियों की अन्य गतिविधियों में सक्रिय भूमिका रही।

3. अधिकांश विद्यार्थियों के पालक कृषि अथवा मजदूरी करते हैं।

4. 15% विद्यार्थियों की पुस्तक की समस्या, क्लासरूम में फर्नीचर की समस्या आर्थिक समस्या आदि रही।

विद्यार्थियों द्वारा रखी गई समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उसका निदान किया गया. पुस्तक ग्रंथालय से संपर्क स्थापित कर समस्या का निदान किया गया। क्लास रूम में फर्नीचर की समस्या के लिए रजिस्ट्रार महोदय से कहकर टेबल स्टूल की व्यवस्था करवायी गई।

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

आर्थिक समस्या के निदान के लिए विद्यार्थी को आवश्यकतानुसार ही खर्च करने की सलाह दी गई।

विद्यार्थियों को आवश्यकतानुसार समय-समय निर्देश दिए गए, नोटिस बोर्ड का रोज अवलोकन करने कहा गया, क्लास रूम छोड़ते समय पंखे व लाईट बंद करने की के लिए कहा गया ताकि बिजली का संरक्षण हो सके। महाविद्यालय एवं शहर अनुशासन का पालन करने की भी सीख दी गई।

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

डॉ. प्रभा केरलकर
प्राध्यापक . राज. विज्ञान
बी. जी. एस. शासकीय
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
धमतरी

प्रति

प्राचार्य
शास. स्नात. महा-धमतरी. छ०ग०.

विषय - शिक्षक-अभिभावक योजना सत्र 2018-19 का प्रतिवेदन

महोदय

विषयान्तर्गत लेख है कि महाविद्यालय की शैक्षणिक सत्र शिक्षक-अभिभावक योजना के अंतर्गत प्रवेश क्रमांक 101 से 200 सत्र 2018-19 में बी.ए. भाग एक प्रवेश क्रमांक 101 से 200 तक के विद्यार्थियों का अभिभावक बनाया गया है, जिसका पालन प्रतिवेदन निम्नानुसार आपकी ओर प्रेषित है।

1. बी.ए. भाग एक के प्रवेश क्रमांक 101 से 200 तक आवंटित विद्यार्थियों से सत्र के दौरान सतत सम्पर्क रहा।
2. लगभग समस्त विद्यार्थी ग्रामीण परिवेश से है। समग्र व्यवहार अच्छा रहा।
3. लगभग समस्त विद्यार्थियों के पालक-अभिभावक का व्यवसाय कृषि मजदूरी है।
4. 13 विद्यार्थियों राष्ट्रीय सेवा योजना में अपना पंजीयन करवाय और व्यक्तित्व विकास एवं सार्वजनिक सेवाऐं प्रदान की।
5. 5 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय कैडेट कोर में पंजीयन करवाकर देश की सेवा करने के लिए प्रशिक्षण और फौज में भर्ती होकर देश की सेवा करने का निश्चय किया।
6. 3 विद्यार्थियों ने खेल में विश्वविद्यालय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया।
7. 100 विद्यार्थियों में से लगभग 20% विद्यार्थी अध्ययन के साथ साथ विविध शिक्षणेत्तर गतिविधियों में सहभागिता प्रदान किया करते है।
8. किसी भी विद्यार्थी के पास कोई समस्या नहीं रही। सिर्फ एक विद्यार्थी को पुस्तक आदि की समस्या थी। जिसे व्यक्तिगत एवं ग्रंथालय से पुस्तक प्रदान कर समस्या का निराकरण किया गया। सभी विद्यार्थियों को अध्ययन के प्रति रुचि अभिभावक के रूप में पैदा करने प्रोत्साहित कर मार्गदर्शन किया गया।

डॉ. (श्रीमती) हेमलता साहू

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

(02)

प्रति,

प्राचार्य,
बी. सी. एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
धमतरी (छ.ग.)

विषय:- शिक्षक- अभिभावक योजना सत्र 2019-20 कक्षा-
बी. ए. प्रथम वर्ष का प्रतिवेदन विषयक ।

महोदय,

विषयान्तर्गत लेख है कि महाविद्यालय के शिक्षक अभिभावक योजना के अंतर्गत सत्र 2019-20 में बी. ए. प्रथम वर्ष प्रवेश क्रमांक 101 से 200 तक के विद्यार्थियों का मुझे अभिभावक बनाया गया था जिसका पालक प्रतिवेदन निम्नानुसार आपकी ओर सादर प्रेषित है —

(i) आबंटित 100 विद्यार्थी में से लगभग 95% विद्यार्थी सतत मेरे सम्पर्क में रहे।
(ii) लगभग सभी विद्यार्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि से है।
(iii) सभी विद्यार्थी का व्यवहार अच्छा रहा।
(iv) 95% विद्यार्थी के पालक कृषि या कृषि मजदूरी कार्य में संलग्न है।
(v) 05 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना में अपना नामांकन कराया है।
(vi) 06 छात्र व 03 छात्राओं ने एन. सी. सी. लिया है।
(vii) 50% विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ खेल जिसमें कबड्डी क्रिकेट व छात्राएं सिलाई, बागवानी आदि कार्य भी करते हैं।
(viii) कुछ छात्र छात्राओं के छोटी-छोटी समस्या है जैसे पुस्तक, पढ़ाई आदि जिसका निराकरण किया जा चुका है।
(ix) सभी विद्यार्थियों को अच्छी पढ़ाई करने की सलाह दी गई है साथ ही कक्षा में बीच-बीच में नैतिक गुणों को विकसित करने का प्रयास किया गया।

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

10/07/2020
डॉ. अमर सिंह साहू

शिक्षक अभिभावक योजना प्रतिवेदन
सत्र 2019–20

सत्र 2019-20 हेतु बी.ए.-तृतीय वर्ष के प्रवेश कमांक 30/1 से प्रवेश कमांक 34/100 तक कुल 100 विद्यार्थियों का अभिभावक शिक्षक प्राचार्य के आदेश कमांक.................. दिनांक .... के तहत् नियुक्त किया गया।

शिक्षक अभिभावक के रूप में 53 छात्राओं एवं 47 छात्र के अभिभावक शिक्षक का दायित्व निर्वहन किया विद्यार्थियों में कुछ ने समाजशास्त्र विषय का चयन किया था। अतः उनके सतृत सम्पर्क में रहने का सुअवसर मुझे मिला। अभिभावक शिक्षक के रूप में मैनें अपने विद्यार्थियों में जो बाते दृष्टिगत् हुई उसकों समझकर यथासंभव निदान का प्रयास किया।

01. अधिकांश विद्यार्थियों के पालक मजदूरी/कृषि कार्य द्वारा जीविका उपार्जित करते है। अतः विद्यार्थियों को अर्थाभाव का सामना करना पड़ता है। पुस्तक कय न कर पाना या ट्युशन फीस न दे पाना ये मजबूरी दिखायी दी। विभागीय ग्रन्थालय (जिज्ञासा बुक बैंक) द्वारा एवं व्यक्तिगत पुस्तके प्रदान कर एवं नोट्स आदि द्वारा उनकी समस्याओं का समाधान किया गया।

02. कुछ विद्यार्थियों में व्यक्तिगत् समस्याऍं दृष्टिगत् हुई जैसे स्पष्ट उच्चारण न कर पाना (सुनील साहू प्रवेश कमांक 30/2 एवं पूरण साहू 31/36) उनकी त्रुटियों को ध्यान देकर उसे सुधराने का प्रयास किया गया।

03. कुछ विद्यार्थियों में कलात्मक अभिरूचि दृष्टिगत् हुई तो समाजशास्त्र के विद्यार्थियों हेतु Creative Art प्रतियोगिता का आयोजन कर उनकी अभिरूचियों को जानकर उनमें निखार हेतु प्रयास किया गया। अभिषेक सोनकर (प्रवेश कमांक 31/31) को चित्रकला हेतु प्रेरित कर इन्टरनेट के माध्यम से विविध Site की जानकारी उन्हें दी। अभिभावक शिक्षक के रूप में कुछ अन्य विद्यार्थियों को उनकी रूचि के अनुरूप विविध विधाओं हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरूस्कार प्राप्त Creative Art प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सब विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया।

04. अभिभावक शिक्षक के रूप में संपर्करत् विद्यार्थियों को Search कैसे करें। Notes तैयार करना आदि की जानकारी प्रदान की गई तथा सामान्य ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की गयी।

05. अभिभावक शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों को सामाजिक मूल्यों से जुड़ने एवं अध्यापन के दोरान प्रेम प्रसंग आदि प्रकरण से दूर रहने हेतु समझाइस दी (विद्यार्थी का नाम गोपनीय रखा गया है, छात्रहित को ध्यान में रखते हुए)

06. अभिभावक शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर होने हेतु प्रेरित किया कुछ विद्यार्थी Part Time Job कर परिवार को सहयोग कर रह है।

07. अभिभावक शिक्षक के रूप में परिवार के सदस्यों के नशापान में रोक हेतु उपयोगी सुझाव विद्यार्थियों को दिये गये तथा स्वयं उन्हें नशापान, गुटका, तम्बाकू, गुड़ाखू आदि का सेवन न करने की सलाह दी।

08. अभिभावक शिक्षक के रूप में प्रतिभागी परीक्षाओं की जानकारी भी विद्यार्थियों को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम सी दी इससे समाजशास्त्र से जुड़े विद्यार्थी जो मेरे नियंत्रण में थे, उन्हें मार्गदर्शन दिया गया।

09. अभिभावक शिक्षक के रूप में सम्पूर्ण सत्र भर उन्हें महाविद्यालय में उपस्थित होने एवं परीक्षा की तैयारी अच्छी करने हेतु प्रेरित किया गया। विषय शिक्षक के रूप में महाविद्यालय के सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान एवं यथोचित सहयोग प्रदान किया गया।

PRINCIPAL
Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

(डॉ. अनिता राजपुरिया)
विभागाध्यक्ष
बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला-धमतरी (छ.ग.)